

यूपी के 14 शहरों में बाढ़

‘पुरानी बातें भूल जाइए’

● मंदिरों-स्कूलों में भरा पानी:गोंडा में 25 हजार लोग फंस

● अधीर रंजन चौधरी ने ममता बनर्जी को कांग्रेस में शामिल होने का दिया प्रस्ताव

● बिहार में 3.65 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित

एजेंसी नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश में बारिश रुकने के बावजूद गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है। लखनऊ के निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। बाराबंकी में स्कूलों और मंदिरों में भी पानी घुस गया है।

गोंडा में घाघरा खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है। 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। 25 हजार से ज्यादा की आबादी बाढ़ में फंसी है। गलियों में नावें चल रही हैं। दो बच्चों की

डूबने से मौत हो गई है। नेपाल से प्रभावित हैं। 44 हजार लोग घर पानी आने और 10 तटबंधों के छोड़ चुके हैं। तीन लोगों की मौत



टूटने से बिहार के 6 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। 253 गांवों में पानी घुस गया है। इससे 3.65 लाख लोग



हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश में 6-7 अक्टूबर को मैदानी इलाकों में तेज बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में 2-3 दिनों में मानसून विदा हो सकता है। राजस्थान के बीकानेर में बारिश हो सकती है। मानसून में 22फीसदी कम बारिश हुई। तापमान करीब 38°C है।

राजस्थान: दिन में गर्मी, रात में ठंडक, पारा 40 डिग्री के करीब

राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर खत्म होने के साथ ही गर्मी फिर से बढ़ने लगी है। राज्य के उत्तर-पश्चिम के अलावा पूर्वी हिस्सों में तापमान 1 से 2 डिग्री तक चढ़ गया।

लेकिन रख दी शर्त

एजेंसी नई दिल्ली। 2024 में अविभाजित तृणमूल कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे की बातचीत पटरी से उतारने के लिए अधीर रंजन चौधरी को जिम्मेदार ठहराया था। दोनों दलों के बीच तलखी की बड़ी वजह ममता बनर्जी पर अधीर रंजन चौधरी के लगातार तीखे हमले थे। दो साल से ज्यादा समय बाद और तृणमूल कांग्रेस के तीन हिस्सों में बंट जाने के बाद अब इस नेता ने पुरानी कड़वाहट भुलाने का फैसला किया है। अधीर रंजन चौधरी ने कहा, 'पुरानी बातें भूल जाइए।' उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को न सिर्फ कांग्रेस में शामिल होने का न्योता दिया, बल्कि उन्हें बंगाल कांग्रेस की

कमान संभालने का भी प्रस्ताव दिया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अधीर रंजन चौधरी ने कहा, 'मैं ममता बनर्जी को सलाह देता हू... और

क्यों नहीं शामिल हो जातीं? ' कांग्रेस नेता का यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब बगावत के कारण ममता बनर्जी और उनकी



अपने हाईकमान से भी पृच्छा हूं... ममता बनर्जी कांग्रेस में क्यों शामिल नहीं हो जातीं? वह अपनी पार्टी के बचे हुए सभी सांसदों और विधायकों के साथ कांग्रेस में

पार्टी के बचे हुए हिस्से के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। मई में बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद 60 सांसदों के एक समूह

ने पार्टी से अलग होकर खुद को असली तृणमूल कांग्रेस घोषित कर दिया। तृणमूल के नेता इस झटके से उबर भी नहीं पाए थे कि 20 से ज्यादा सांसदों ने एक अलग गुट बना लिया। इस गुट ने एक कम चर्चित राजनीतिक संगठन के साथ विलय कर लिया और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को समर्थन दे दिया।

चौधरी ने कहा कि चूंकि ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की ही एक शाखा है, इसलिए उन्हें पार्टी में लौटने में कोई 'समस्या' नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वह कांग्रेस की ही उपज हैं, तो उनके कांग्रेस में शामिल होने में कोई समस्या नहीं है।' हालांकि, उन्होंने एक शर्त भी रखी।

गांधी-शास्त्री जयंती : राजघाट पर बापू को किया नमन

राष्ट्रपति मुर्मू-पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी नई दिल्ली। देश आज महात्मा गांधी की 157वीं जयंती मना रहा है। इस अवसर पर नई दिल्ली के राजघाट स्थित गांधी समाधि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद यहां सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ, जिसमें अलग-अलग धर्मों के प्रतिनिधियों ने प्रार्थना की और बापू के सत्य एवं अहिंसा के संदेश को याद किया।

गांधी की 157वीं जयंती के मौके पर राजघाट में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया,

नेताओं ने गांधी जी की समाधि पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। ओम बिरला ने राजघाट



जिसमें राष्ट्रपति ने शामिल होकर बापू को याद किया। खरगे और राहुल गांधी ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। दोनों

पहुंचकर दी श्रद्धांजलि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने गांधी समाधि पर पुष्प अर्पित कर बापू को नमन किया। मनोहर लाल खट्टर ने भी किया नमन

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भी राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। गांधी जयंती के मौके पर उन्होंने बापू को याद करते हुए उनके योगदान को नमन किया। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने गांधी जयंती पर महात्मा गांधी को किया याद केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा गया, 'संपूर्ण विश्व को शांति और अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जीवन अपने आप में एक आदर्श था। उनके स्वदेशी, स्वराज के विचार सदियों को प्रेरित करते रहेंगे। गांधी जयंती के अवसर पर बापू को कोटि-कोटि नमन। '

सीएम योगी ने गांधी के विचारों को किया याद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा गया, 'सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर संपूर्ण विश्व को स्वदेशी व अहिंसा के माध्यम से स्वाधीनता का संदेश देने वाले, 'राष्ट्रपिता' महात्मा गांधी जी की पावन जयंती पर कोटिशः नमन। प्रदेश वासियों को 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस' की शुभकामनाएं। श्रद्धेय बापू के आदर्श, सादगी और विचार आज भी हम सभी को आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण में निरंतर मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं।

बंगाल : हावड़ा स्टेशन पर मध्य प्रदेश से आए यात्री के बैग से 44 लाख नकदी बरामद

रेलवे पुलिस ने सुरक्षा और निगरानी काफी बढ़ा दी है।

एजेंसी कोलकाता। हावड़ा स्टेशन पर एक बार फिर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने भारी मात्रा में बेहिसाबी नकदी बरामद की है। मध्य प्रदेश से आई शिप्रा एक्सप्रेस के एक यात्री के बैग से तलाशी में 44 लाख नकदी बरामद की है। इतनी बड़ी रकम के साथ यात्रा करने का कोई वैध दस्तावेज या प्रमाण पेश न कर पाने पर यात्री को हिरासत में लेकर आयकर विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया है। पिछले कुछ दिनों में हावड़ा स्टेशन पर लगातार हो रही नकदी बरामदगी की घटनाओं को देखते हुए रेलवे पुलिस ने सुरक्षा और निगरानी काफी बढ़ा दी है। आरपीएफ ने शुक्रवार को बयान जारी कर बताया की यह ताजा मामला गुरुवार का है, जब हावड़ा स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 17 पर डाउन शिप्रा एक्सप्रेस आकर रुकी। मध्य प्रदेश के विदिशा से कोलकाता आए यात्री रोहित सिंह की सदिग्ध गतिविधियों को देखकर वहां पहले से तैनात

आरपीएफ की खुफिया टीम को शक हुआ। अधिकारियों ने उसे रोककर पूछताछ की और उसके बैग की तलाशी ली, जिसमें से नोटों की गड़ियां बरामद हुईं। गिनने पर कुल रकम 44 लाख नकदी



निकली। आरपीएफ सूत्रों के अनुसार, शुरुआती पूछताछ में रोहित सिंह ने दावा किया कि वह यह पैसा कोलकाता से सोना खरीदने के लिए लेकर आया था। हालांकि, वह अपने दावे के समर्थन में या पैसे के स्रोत की वैधता साबित करने वाला कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा सका। इसके बाद आरपीएफ ने पूरी रकम जब्त कर ली और आयकर विभाग को सूचित किया।

दुर्गा प्रतिमा लेकर लौट रहे पिकअप को कंटेनर ने मारी टक्कर, 5 युवकों की हुई मौत

टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन में सवार कुछ युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

एजेंसी अमरावत। महाराष्ट्र में नवरात्रि उत्सव के लिए दुर्गा माता की प्रतिमा लेकर लौट रहे युवकों के वाहन के साथ समृद्धि महामार्ग पर भीषण हादसा हो गया। अमरावती जिले के धामणगांव पुलिस थाना क्षेत्र में देर रात करीब 1 बजे यह दुर्घटना होने की जानकारी सामने आई है। इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, वर्षा के सिंदी मेघे इलाके की नवदुर्गा पूजा उत्सव समिति के सदस्य हर साल की तरह इस वर्ष भी शेगांव से दुर्गा माता की ऊंची प्रतिमा लेकर पिकअप वाहन से लौट रहे थे। धामणगांव के पास समृद्धि महामार्ग पर चैनल नंबर 97 के आसपास उनके वाहन को पीछे से आ रहे एक कटेनर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन में सवार कुछ युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को तत्काल अस्पताल



बाकणे, दत्ता कुळसंगे के मौत की प्राथमिक जानकारी है। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों ने घटनास्थल के साथ-साथ अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। हादसा किस वजह से हुआ, इसकी जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।

मप्र के इंदौर में साढ़े पांच करोड़ की एम्फेटामाइन के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी इंदौर। डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने मध्य प्रदेश के इंदौर में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया, जो बिना नंबर की थार की स्टेपनी में 7 किलो से ज्यादा एम्फेटामाइन (मादक पदार्थ) छिपाकर ले जा रहे थे। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत साढ़े पांच करोड़ रुपये है। डीआरआई ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि इंदौर में कार्रवाई में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स (सीबीएन) के अफसर भी शामिल थे। बताया गया कि डीआरआई की सूचना मिली थी कि कर्नाटक के रजिस्ट्रेशन नंबर वाली काली महिंद्रा थार में तीन लोग साइकोट्रॉपिक पदार्थ एम्फेटामाइन लेकर जा रहे हैं, जो मादक पदार्थ की श्रेणी में आता है। सूचना के आधार पर डीआरआई और सीबीएन की टीम ने बांगड़ स्थित उज्जैन-देवास टोल प्लाजा पर निगरानी शुरू की। कुछ देर बाद सदिग्ध काली थार टोल प्लाजा की तरफ आती दिखाई दी। अधिकारियों ने वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने बैरिकेड तोड़कर वाहन को तेज गति से भगाना शुरू कर दिया।



केन्द्रीय मंत्री अमित शाह उज्जैन को देंगे 255 करोड़ रुपये के अत्याधुनिक डेयरी प्लांट की सौगात

03 अक्टूबर को होगा डेयरी प्लांट का डिजिटल भूमि-पूजन

एजेंसी भोपाल। मध्य प्रदेश के उज्जैन एवं आसपास के क्षेत्रों में दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता के विस्तार और डेयरी क्षेत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ द्वारा 255 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक डेयरी प्लांट स्थापित किया जा रहा है। केंद्रीय सहकारिता

एवं गृह मंत्री अमित शाह 03 अक्टूबर 2026 को भोपाल से इस प्लांट का डिजिटल भूमि-पूजन करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी अरुण शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि उज्जैन में स्थापित होने वाला यह अत्याधुनिक डेयरी प्लांट क्षेत्र में दुग्ध प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन और विभिन्न डेयरी उत्पादों के उत्पादन को नई गति देगा। परियोजना की कुल लागत में से 170 करोड़ रुपये राज्य शासन द्वारा अनुदान के रूप में प्रदान किए जाएंगे, जबकि शेष 85 करोड़ रुपये दुग्ध संघ द्वारा ऋण के माध्यम से जुटाए जाएंगे।परियोजना को अगले दो वर्ष में पूर्ण करने का लक्ष्य है।उन्होंने बताया कि प्रस्तावित



प्लांट की शुरुआत 3 लाख लीटर प्रतिदिन दूध प्रसंस्करण क्षमता के साथ होगी। भविष्य में इसकी क्षमता को बढ़ाकर 5 लाख लीटर प्रतिदिन तक किया जा सकेगा। इससे उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ती दुग्ध उपलब्धता के साथ प्रसंस्करण क्षमता का विस्तार भी संभव होगा। पैक्ड मिल्क से लेकर घी तक का होगा उत्पादन

प्लांट में आधुनिक प्रसंस्करण सुविधाओं के साथ विभिन्न प्रकार के डेयरी उत्पादों का उत्पादन किया जाएगा। इसमें 1.50 लाख लीटर प्रतिदिन पैक्ड मिल्क, 25 हजार लीटर प्रतिदिन दही तथा 10 हजार लीटर प्रतिदिन लस्सी/छछ के उत्पादन की क्षमता होगी। इसके अलावा 10 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता का घी प्लांट भी स्थापित किया जाएगा। मध्य प्रदेश राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ के प्रबंध संचालक जयदेव बिस्वास ने कहा, 'उज्जैन में आधुनिक डेयरी प्लांट की स्थापना मध्य प्रदेश के डेयरी क्षेत्र के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय गृह एवं

सहकारिता मंत्री शाह द्वारा भोपाल से इस परियोजना का डिजिटल भूमि-पूजन किया जाएगा। इस परियोजना से दुग्ध उत्पादकों से प्राप्त दूध का बेहतर प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन सुनिश्चित होगा तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण डेयरी उत्पाद उपलब्ध कराने की क्षमता बढ़ेगी।' उन्होंने कहा, 'प्लांट को भविष्य में 5 लाख लीटर प्रतिदिन तक विस्तारित करने का प्रबंध किया गया है। इससे उज्जैन एवं आसपास के क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन, संग्रहण, प्रसंस्करण और विपणन की पूरी श्रृंखला को मजबूती मिलेगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। '



गजब का है यह पेपर आर्ट पेपर क्विलिंग

मॉस्को की 34 साल की यूलिया बोदसकाया ने पेपर और गोंद की मदद से इन अचंचित कर देने वाली रंगीन रचनाओं को उकेरा है। इन्हें देख कर ऐसा लगता है कि ये तस्वीरें बोलती हैं। यूलिया को पेपर से बनाई जाने वाली ड्राइंग के साथ उनमें जान डाल देने वाले कलाकार के तौर पर भी जाना जाता है। इसे थ्रीडी ड्राइंग का नाम दिया जाए तो गलत नहीं होगा। यूलिया तीन स्टेप्स को फॉलो कर इन चित्रों को जीवंत रूप देती हैं। पहला स्टेप है पेपर काटना, दूसरा है फोल्ड करना और तीसरा है गोंद की मदद से फोल्ड किए हुए पेपर को किसी सतह पर चिपका एक नया रूप देना। इस आर्ट को पेपर क्विलिंग कहा जाता है।

अठारहवीं सदी में हुई थी पेपर क्विलिंग की शुरुआत

तुम्हें बता दें कि इस कला की शुरुआत अठारहवीं सदी में ही हो गई थी। दरअसल नन और भिक्षुओं द्वारा किताबों के कवर को सुंदर बनाने के लिए पेपर की सहायता से यही कलाकारी की जाती थी। तभी से यह कला प्रचलित हो गई।

यहां से मिली इस कला की प्रेरणा

यूलिया को इस कलाकारी का आइडिया तब आया, जब दस साल पहले उन्हें एक ब्रोशर में अपने नाम को अलग तरीके से



लिखना था, कुछ ऐसा, जो उसकी कलाकारी को दर्शाता हो। कई वर्षों बाद उन्हें स्कूल के समय के दिनों में बनाए गए एक प्रोजेक्ट की याद आई, जिसमें उन्होंने पेपर क्विलिंग का इस्तेमाल किया था। बस फिर क्या था, उन्होंने उसी तरीके का इस्तेमाल कर ब्रोशर तैयार किया, जो लोगों को काफी पसंद आया। तभी से उन्होंने इस तकनीक का इस्तेमाल कर अलग प्रकार के चित्र बनाने शुरू किए।



जब बच्चे बने टीचर

रोज की तरह रमा इंटरनेशनल स्कूल के बच्चे आज भी स्कूल पहुंच रहे थे, पर उनके चेहरे पर स्कूल जाने का तनाव नहीं, बल्कि अलग तरह की उत्सुकता थी। आज उनके प्रिंसिपल बेदी सर ने उन्हें पूरी छूट दी थी। एक दिन पहले उन्होंने एसेंबली में भाषण देते हुए कहा था, “कल 14 नवंबर है, यानी बाल दिवस। आप सब समझते हैं कि स्कूल में बहुत बंदिश होती है। आप अपने मन की नहीं कर सकते। पर कल आप लोगों को पूरी छूट है। न स्कूल ड्रेस का डर न टीचर्स की डांट। कल हम सब कुछ अलग करेंगे। मुझे उम्मीद है, यह अलग वाली बात आप लोगों को पसंद आएगी।” अगले दिन सुबह सारे बच्चे एसेंबली के लिए प्लेग्राउंड में इकट्ठे होने लगे। कुछ बच्चे जो काफी अमीर थे, वे तो ब्रांडेड सामान की पूरी दुकान नजर आ रहे थे। धीरे-धीरे सारा प्लेग्राउंड बच्चों से भर गया। रंग-बिरंगी तितलियों की तरह सारे बच्चे झप-उधर भाग रहे थे, दोस्तों से मिल रहे थे। तभी घोषणा हुई कि प्रिंसिपल बेदी सर आ रहे हैं। सारे बच्चे तुरंत अपनी-अपनी क्लास की लाइन में आकर खड़े हो गए। बेदी सर माइक के सामने आए और बोले, “आज का दिन आप लोगों का है, मतलब बच्चों का दिन है। आज तक आप लोग इस स्कूल में पढ़ते रहे हैं और अपने टीचर्स से आपको शिकायत भी रही होगी। चलो, आज एक नया खेल खेलते हैं। आज आप लोग टीचर बनेंगे।” “सर, अगर हम लोग टीचर होंगे, तो बच्चे कौन बनेंगे, जिन्हें हम पढ़ाएंगे?” एक बच्चे की आवाज आई। बेदी सर मुस्कुरा दिए। फिर बोले, “मैंने भी यही सोचा था। फिर एक आइडिया आया। आप लोग चिंता न करें। आपके स्टूडेंट थोड़ी देर में आने वाले हैं।” जब तक बेदी सर अपनी बात पूरी करते, तब तक स्कूल की चार बसें आकर रुकीं। उनके गेट खुले, तो उनमें से कुछ बच्चे उतरने लगे। हिंदी वाले सर के साथ क्लास मॉनिटर आगे बढ़े। उनके हाथ में टोकरियां थीं, जिनमें गुलाब के फूल थे। सर आगे बढ़कर एक-एक करके सभी बच्चों की शर्ट पर गुलाब

के फूल लगाने लगे। स्कूल के बच्चों की नजरें इन नए बच्चों पर से हट ही नहीं रही थीं। सारे बच्चे गरीब लग रहे थे। किसी के पैर में पुराने जूते थे, तो कोई चप्पल में था। उनके कपड़े वैसे थे, जैसे वे अपने घर में भी नहीं पहनते थे। प्रिंसिपल सर बच्चों को गौर से देख रहे थे। उनके मन की बात वे समझ गए। उन्होंने बोलना शुरू किया, “कुछ दिनों पहले मुझे एक अनाथालय में जाने का मौका मिला। वहां मैं इन बच्चों से मिला। ये वो बच्चे हैं, जिनको आप लोगों की तरह माता-पिता का प्यार नहीं मिला। इन्हें कोई सुबह स्कूल के लिए तैयार नहीं करता, कोई इनके लिए स्कूल का लंच पैक नहीं करता। ऐसा इसलिए, क्योंकि ये स्कूल नहीं जा पाते हैं और अपने आश्रम में ही आने वाले टीचर्स से पढ़ते हैं। पर इन्हें पढ़ाई में कमजोर मत समझना। इनमें से कुछ बच्चों ने मुझसे कहा कि सर हम भी देखना चाहते हैं, स्कूल कैसे होता है, और वहां पढ़ाई कैसे होती है। इसीलिए मैंने आज इन बच्चों को यहां आमंत्रित किया है। आज ये बच्चे हमारे स्टूडेंट हैं और आप लोग अपने टीचर्स के साथ मिलकर इन्हें पढ़ाएंगे ताकि स्कूल में पढ़ने का इनका सपना भी पूरा हो। मैं बस आप सबसे यही चाहता हूं कि अनाथालय से आए बच्चों को यह महसूस करा दो कि वे पराए नहीं, हमारे अपने हैं। बाल दिवस उन बच्चों के लिए भी महत्वपूर्ण है।” इसके बाद एसेंबली खत्म हो गई और बच्चे अपनी-अपनी क्लास की ओर चले, पर उन बच्चों की कहानी सुनकर ज्यादातर बच्चों के चेहरे गंभीर हो गए थे। जब वे अपनी क्लास में पहुंचे तो उन्हें अनाथालय के बच्चे सीटों पर बैठे दिखाई दिए। ऐसी ही एक क्लास में खड़े टीचर ने कहा, “कुछ बच्चे जो पढ़ाना चाहते हैं, वो मेरे पास आ जाएं। बाकी बच्चे इन बच्चों के साथ बैठ जाएं और पढ़ाई में सहयोग करें।” एक-दो घंटे बाद पता ही नहीं चल रहा था कि ये बच्चे एक-दूसरे को जानते ही नहीं थे। सब एक-दूसरे से खुल गए थे। पढ़ाई में एक-दूसरे का सहयोग कर रहे थे। पता नहीं कैसे स्कूल के बच्चों के मन में यह भावना आ गई

थी कि अनाथालय के बच्चों को नहीं लगना चाहिए कि वे पराए हैं। लंच टाइम में स्कूल की तरफ से अनाथालय से आए बच्चों के लिए लंच आया, पर स्कूल के बच्चों ने अपना टिफिन भी उन बच्चों के साथ शेयर किया। ऐसे ही हंसते-खेलते स्कूल का टाइम बीता और छुट्टी का समय आ गया। बच्चों को आदेश था कि छुट्टी से पहले फिर से सब प्लेग्राउंड में इकट्ठे होंगे।



दोस्तों, रंग बदलने वाले जीव-जंतु सबका ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। ये ऐसा क्यों और कैसे करते हैं, तुम्हें इस बार बता रहे हैं। गिरगिट के अलावा भी ऐसे बहुत से जीव हैं, जो रंग बदलने में माहिर हैं। इन जीवों में फ्लाउंडर, मिमिक ऑक्टोपस, पीकॉक फ्लाउंडर, टोन स्पाइडर, ट्री फ्रॉग, गोल्डन टॉरटॉइज बीटल और स्कविड प्रजाति की कई मछलियां हैं। रंग बदलने की क्षमता को उनकी बड़ी ताकत के रूप में देखा जाता है। इन रंगों के बल पर ये जीव खुद को छिपाने में कामयाब रहते हैं, तो वहीं शिकारी से अपनी रक्षा भी करते हैं।

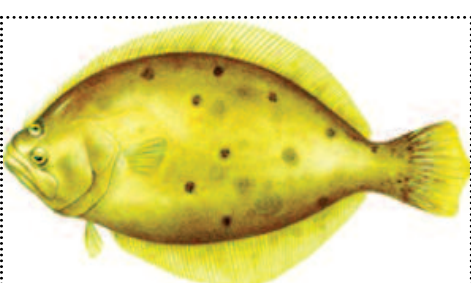
ट्री फ्रॉग

इन्हें लॉफिंग ट्री फ्रॉग के नाम से भी जाना जाता है। जितने ये अपनी आवाज के लिए जाने जाते हैं, उतनी ही फुर्ती से अपने रंग बदलने के लिए भी। ये मेंढक भूरे, कथई और सफेद रंग बदलने में माहिर होते हैं। ये पीले व काले पैर और एमरेल्ड कलर के निशानों के साथ भी नजर आते हैं।



फ्लाउंडर

यह मछली पहली नजर में सपाट आकार की साधारण सी मछली नजर आती है, लेकिन इसमें अपने आसपास की चीजों के अनुसार अपना रंग बदलने की अद्भुत क्षमता है। इनकी ताकत बढ़ाने में इनकी आंखें भी बहुत मददगार हैं। इस प्रजाति की मछलियां वयस्क होने पर अपनी आंखें दाईं या बाईं ओर घुमा सकती हैं। इससे जमीन की सतह के साथ तैरने में इन्हें आसानी होती है। ये मछलियां समुद्र के सबसे गहरे इलाके मरियाना ट्रेंच में भी पाई गई हैं, जो कि लगभग 35,000 फीट की गहराई में है।



रंग बदलने में माहिर हैं ये जीव

टोन स्पाइडर

गोल्डनरॉड क्रेब स्पाइडर सिर्फ दो रंग बदल सकता है- एक सफेद और दूसरा पीला, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह अपना शिकारी सिर्फ इस रंग के फूलों को बनाता है। इसमें खासतौर पर डेजी और सूरजमुखी शामिल हैं। इस खूबी के बल पर यह फूलों का शिकार भी कर लेता है और शिकारी चिड़ियों से भी बचा रहता है।

गिरगिट

रंग बदलने में गिरगिट का कोई सानी नहीं होता। इसकी खासियत यह होती है कि ये अपने आसपास के पर्यावरण के हिसाब से रंग बदल लेते हैं। जिस पेड़ पर जाते हैं, उसी का रंग अपना लेते हैं। यह जीव कई बार शिकारी से बचने के लिए ऐसा करता है। गिरगिट की लगभग सभी प्रजातियां रंग बदलने में माहिर होती हैं। यह लंबे समय तक बदले हुए रंग में रह सकता है। यह छिपकली के परिवार का ही सदस्य माना जाता है।

कटलफिश

प्यारे से नाम वाली ये मछलियां बहुत बुद्धिमान होती हैं। ये मछलियां लगातार एक चतुराई से शिकार करने का और दूसरे बड़े जीवों से खुद को बचाने का काम करती हैं। ये ज्यादा देर तक एक रंग में नजर नहीं आती और दिमाग से मिलने वाले संदेश के अनुसार लगातार अपना रंग बदलती रहती हैं। जितनी आराम से तुम सांस लेते हो, उतनी ही आसानी से ये रंग बदलती नजर आती हैं, जो देखने में बहुत रोमांचक लगता है।



अनोखा अंगूरी क्राफ्ट

दोस्तों, तुम्हें अंगूर खूब अच्छे लगते हैं न! आज हम तुम्हें अंगूर से क्राफ्ट बनाना सिखा रहे हैं। तुम्हें चाहिए कुछ अंगूर, टूथपिक।

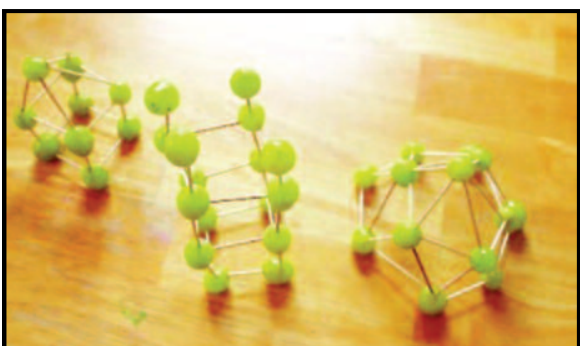
ऐसे बनेगा

अब इस तरह से अंगूर में टूथपिक डालो और दूसरे टूथपिक से अंगूर को जोड़ते जाओ। फिर तुम्हें जो शेष चाहिए, उस तरह से बनाओ। चार अंगूरों की मदद से पहले तुम्हें बेस तैयार करना होगा। बस तुम्हें यह ध्यान रखना है कि टूथपिक से अंगूर टूट ना जाए। एक बार बनाने

के बाद अब तुम इसे खा सकते हो। बड़ा मजा आएगा अगर दोस्तों और परिवार के साथ मिलकर खाओगे। चाहो तो अंगूर की जगह पर डो के छोटे-छोटे टुकड़ों का भी इस्तेमाल कर सकते हो।

अंगूर खाने के फायदे

इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है, जो हड्डियों के लिए



अच्छा होता है। अंगूर में सबसे अधिक पोटेशियम पाया जाता है, जो पाचन और दिल के लिए अच्छा होता है। विटामिन सी का अच्छा स्रोत है। यह खून की कमी को भी दूर करता है।

इस बार प्लेग्राउंड में सारे बच्चे एक साथ आए। स्कूल के बच्चे यह देखकर चौंक गए कि उनके माता-पिता को भी प्रिंसिपल सर ने बुला रखा था। सर ने बच्चों को देखकर पूछा, “बोलो बच्चो, आज का दिन कैसा लगा?” “बहुत बढ़िया सर। इन बच्चों के साथ बहुत मजा आया।” राघव जो एक बहुत बड़े बिजनेसमैन का बेटा था, वह आगे बढ़कर बोला। “और आप लोगों को कैसा लगा हमारा स्कूल?” अब सर ने अनाथालय से आए बच्चों से पूछा। “सर हमारा सपना पूरा हो गया। स्कूल में पढ़ने में बड़ा मजा आया। काश! हम रोज ऐसे पढ़ पाते।” कहते-कहते अनाथालय से आया अमित रो पड़ा। “तुम्हारा सपना जरूर पूरा होगा।” मुस्कुराते हुए प्रिंसिपल सर बोले, “मैंने अपने मैनेजमेंट से बात कर ली है। अब से हमारे स्कूल में दोपहर बाद भी आप लोगों के लिए अलग से

स्पेशल क्लास हुआ करेगी। आप लोग यहां पढ़ेंगे और आगे बढ़ेंगे।” “हुरे!” राघव खुशी से चिल्ला पड़ा। वह भूल गया कि वह स्कूल में, और वह भी प्रिंसिपल सर के सामने है। सारा मैदान प्रिंसिपल सर की घोषणा के बाद तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सारे बच्चे अपने माता-पिता के पास गए और उनसे कुछ बात करने लगे। उनकी बात सुनकर वे मुस्काए और उनका सिर हां में हिलने लगा। बस फिर क्या था! देखते ही देखते मैदान में अजीब सा नजारा दिखाई देने लगा। स्कूल के लड़कों में से किसी ने अपनी शर्ट उतारी, तो किसी ने अपनी टी-शर्ट, उन्होंने अपनी शर्ट और टीशर्ट अनाथालय से आए बच्चों को जबरदस्ती पहना दी। यह सारा नजारा देखकर उनके माता-पिता भी मुस्काए बिना न रह सके। प्रिंसिपल सर के चेहरे पर भी संतोष की मुस्कान थी। बाल दिवस पर जो बात वह अपने बच्चों को सिखाना चाहते थे, वह उन्होंने अच्छे से सीख ली थी।



प्रियंका चाहर चौधरी

ने अंकित गुप्ता को बताया मैरेज मटेरियल, बोली- ब्रेकअप का कोई पछतावा नहीं

बिग बॉस फेम और एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं. एक्ट्रेस राइज एंड फॉल 2 में नजर आ रही हैं और खूब चर्चा बटोर रही हैं. इस बीच एक्ट्रेस का एक वीडियो सामने आया है, जो एक पॉडकास्ट का है. इसमें वो अपने एक्स बॉयफ्रेंड और एक्टर अंकित गुप्ता की तारीफ करती नजर आई हैं. इतना ही नहीं उन्होंने अपने और अंकित के ब्रेकअप को लेकर भी खुलकर बात की है. दोनों के ब्रेकअप की खबरों को सामने आए कई महीने हो चुके हैं.

बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉडकास्ट Honestly Why Not में पहुंचीं एक्ट्रेस ने अंकित के साथ अपने पुराने रिश्ते का जिक्र किया और बताया कि अगर शादी की बात हो, तो वह आज भी अंकित को चुनेंगी. उन्होंने इसका कारण भी बताया है. चलिए जानते हैं प्रियंका ने अंकित को लेकर और क्या कुछ कहा है?

अंकित गुप्ता को बताया 'मैरिज मैटेरियल'

पॉडकास्ट के रैपिड फायर राउंड में प्रियंका से अंकित गुप्ता, अभिषेक मल्हान और नमिक पॉल के बीच किल, मैरी और हुकअप चुनने के लिए कहा गया. एक्ट्रेस ने किल के लिए अभिषेक मल्हान और हुकअप के लिए नमिक पॉल को चुना, जबकि शादी के लिए उन्होंने अंकित गुप्ता का नाम लिया. अपनी पर्सनल वजह बताते हुए प्रियंका ने कहा, 'मैं अंकित गुप्ता से शादी करना चाहूंगी, वह यकीनन मैरिज मटेरियल हैं.'



क्या प्रियंका को है ब्रेकअप का पछतावा ?

इसके बाद प्रियंका से पूछा गया कि क्या उन्हें अंकित के साथ अपना रिश्ता खत्म करने का पछतावा है. इस पर एक्ट्रेस ने साफ कहा कि उन्हें अपनी जिंदगी में लिए गए किसी भी फैसले का पछतावा नहीं है. उन्होंने कहा, 'मुझे अपनी जिंदगी में किसी भी चीज का पछतावा नहीं है. मैंने जो भी फैसला लिया, वह ठीक है.' इसके बाद उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'एक्स को एक्स ही रहने दो.'

दोस्त से बने थे लवर्स

प्रियंका और अंकित की पहली मुलाकात टीवी शो उड़ारियां के दौरान हुई थी. शो में दोनों ने तेजो और फतेह का किरदार निभाया था और उनकी ऑनस्क्रीन जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया. इसी दौरान दोनों के बीच ऑफस्क्रीन भी अच्छी दोस्ती हो गई थी. इसके बाद बिग बॉस 16 में साथ नजर आने के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं और तेज हो गईं. हालांकि, दोनों ने उस समय अपने रिश्ते को सार्वजनिक तौर पर कन्फर्म नहीं किया था, लेकिन उनकी नजदीकियों और अक्सर साथ नजर आने की वजह से डेटिंग की खबरें लगातार सामने आती रहीं. रियलिटी शो के दौरान प्रियंका ने अंकित के लिए अपनी फीलिंग्स का भी जिक्र किया था. हालांकि, मार्च 2026 में दोनों के ब्रेकअप की खबरों ने फैस को हैरान कर दिया. दोनों के इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो भी कर दिया था. रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि कई साल साथ रहने के बाद दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं.

‘भामी डायन है या संस्कारी बहु?’

यामी गौतम

की ‘नई नवेली’ का मजेदार ट्रेलर, दशहरे पर मचेगा गदर!

बॉलीवुड में जब पारिवारिक ड्रामा के साथ देसी कॉमेडी और फैंटेसी के रहस्यों का तड़का लगता है, तो सिनेमाघरों में ठहाकों के साथ सीटियां बजना तय होता है. अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और कलर येलो प्रोडक्शन्स की फिल्म 'नई नवेली' का धमाकेदार ट्रेलर आखिरकार रिलीज कर दिया गया है. फिल्म में बॉलीवुड की मंझी हुई अदाकारा यामी गौतम धर 'मोहिनी' के एक ऐसे बिल्कुल अनदेखे और चौंकाने वाले अवतार में नजर आ रही हैं, जिसने आते ही दर्शकों के बीच उत्पुक्तता बढ़ा दी है. मेरठ के देसी बैकड्रॉप पर गढ़ी गई यह कहानी एक आदर्श बहु, उसके सिरफिरे ससुराल वालों और एक ऐसे राज के इर्द-गिर्द घूमती है जो घर की दहलीज लांघकर सीधे फैंटेसी की दुनिया में ले जाता है.

ट्रेलर दर्शकों को सीधे मेरठ के अतरंगी 'अवस्थी परिवार' के बीच ले जाता है. घर में नई बहु मोहिनी (यामी गौतम) का धूमधाम से गृह प्रवेश होता है. पहली नजर में मोहिनी बेहद संस्कारी, सीधी-सादी और परफेक्ट बहु नजर आती है, लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते हैं, ससुराल वालों को उसके इर्द-गिर्द अजीबोगरीब घटनाओं का अहसास होने लगता है. कहानी में असली मोड़ तब आता है जब घर के भीतर यह कानाफूसी शुरू होती है कि भाभी डायन है! शादी की मीठी रस्मों और नोक-झोंक से शुरू होने वाला ये सफर अचानक जोरदार



हंसी-मजाक, अनसुलझे रहस्यों और एक्शन से भरपूर ड्रामे में तब्दील हो जाता है.

‘मोहिनी’ के किरदार पर क्या बोलीं यामी गौतम धर ?

अपने इस नए और अनूठे किरदार को लेकर यामी गौतम धर बेहद उत्साहित हैं. किरदार की परतें खोलते हुए यामी ने कहा, मोहिनी का किरदार मुझे इसलिए भा गया क्योंकि वो वैसी बिल्कुल नहीं है जैसी दर्शक उम्मीद करते हैं. उसमें एक अपनापन है, लेकिन साथ ही एक गहरा राज भी छिपा है जो धीरे-धीरे सामने आता है. 'नई नवेली' ने मुझे एक ऐसा किरदार जीने का मौका दिया जो परिवार, हंसी-मजाक, जन्मातों, जादुई दुनिया और एक्शन के बीच बेहद सहजता से ढल जाता है.

आनंद एल राय और बालाजी मोहन की टीम

फिल्म का निर्देशन जाने-माने निर्देशक बालाजी मोहन ने किया है, जबकि कहानी को हिमांशु शर्मा 'जैसी ब्लॉकबस्टर देसी फिल्में देने वाले आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा ने इसे प्रोड्यूस किया है. फिल्म में संगीत साउथ के मशहूर कंपोजर जी.वी. प्रकाश कुमार का है. दशहरे के त्योहारी सीजन यानी 16 अक्टूबर 2026 को थिएटर में रिलीज हो रही यह फैंटेसी फैमिली-एंटरटेनर बॉक्स ऑफिस पर क्या नया धमाल मचाती है, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं!

जनता की वोटिंग नहीं, सीक्रेट रूम से कटेगा पता? उदिति, माही-यंग की आपसी सहमति से बेघर हुआ ये बड़ा नाम!



‘बिग बॉस’ के घर में कब बाजी पलट जाए और कब सुरक्षित महसूस कर रहे किसी खिलाड़ी के पैरों तले जमीन खिसक जाए, इसका अंदाजा खुद घरवाले भी नहीं लगा सकते. ‘बिग बॉस 20’ अब एक ऐसे सनसनीखेज और चौंकाने वाले मोड़ पर पहुंच चुका है, जिसने शो के पूरे समीकरण को हिलाकर रख दिया है. घर में एक बड़ा मिड-वीक एक्विशन हो चुका है, लेकिन इस बार का यह एलिमिनेशन आम जनता के वोटों से नहीं, बल्कि घर के ही तीन कंटेस्टेंट्स की आपसी साजिश और रणनीति से तय हुआ है. ‘फिल्म बिंडो’ की रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स ने इस हफ्ते सबसे बड़े ट्विस्ट के साथ हुए तीन सदस्यों को सीधे किसी का भी पता काटने का ब्रह्मास्त्र थमा दिया था और उन्होंने मनोज तिवारी की बेटी रीति तिवारी को शो से बाहर कर दिया.

इस पूरे ड्रामे की स्क्रिप्ट तब लिखी गई जब बिग बॉस ने बिना किसी पूर्व सूचना के उदिति सिंह, माही बिज और यंग डीएसए को घर के ‘सीक्रेट रूम’ में तलब किया. वहां पहुंचते ही इन तीनों के सिर पर एक ऐसा भारी-भरकम फैसला डाल दिया गया, जिसने उनके होश उड़ा दिए. बिग बॉस ने साफ शब्दों में फरमान सुनाया कि उन्हें आपसी बातचीत और सहमति से किसी एक ऐसे कंटेस्टेंट का नाम चुनना है, जिसे वे तुरंत इस शो और घर से बाहर निकालना चाहते हैं. यानी जिस फैसले के लिए जनता हफ्तों तक वोट करती है, उस फैसले की पूरी बागडोर महज इन तीन कंटेस्टेंट्स के हाथों में सौंप दी गई.

लंबी माथापच्ची के बाद बनी 'आपसी सहमति'

सीक्रेट रूम में बैठते ही उदिति, माही और यंग के बीच समीकरणों और अपनी-अपनी प्राथमिकताओं को लेकर लंबी चर्चा शुरू हुई. तीनों के सामने चुनौती सिर्फ किसी को बाहर निकालने की नहीं थी, बल्कि ये भी ध्यान रखने की थी कि बाहर जाने वाला शख्स उनके अपने पर्सनल गेम और रम्य के लिए कितना बड़ा खतरा है. रिपोर्ट्स की मांनें तो काफी नफा-नुकसान तौलने और तीखी बहस के बाद आखिरकार तीनों रीति के नाम पर सहमत हो गए. उन्होंने अपनी 'आपसी सहमति' से उनका नाम फाइनल कर बिग बॉस को सौंप दिया, जिसके बाद उस कंटेस्टेंट का 'बिग बॉस 20' का सफर बिना जनता की अदालत में गए ही वहीं खत्म हो गया.

घर में मचेगा कोहराम, बदले की आग में जलेंगे बाकी सदस्य
रीति तिवारी के मिड-वीक एक्विशन की खबर जैसे ही मुख्य घर में पहुंची, वहां भूचाल आना तय है. जिन कंटेस्टेंट्स को लग रहा था कि वे जनता के वोटों के दम पर पूरी तरह सेफ हैं, उनके लिए ये फैसला किसी 440 वोल्ट के झटके से कम नहीं होगा.

पहले नहीं मिली.... फाइनल से पहले क्यों रो पड़ीं फरहाना भट्ट? रोहित शेट्टी ने लगाया गले



रोहित शेट्टी का स्टंट बेस्ड पॉपुलर रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' अब अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है. सीजन के आखिरी दो एपिसोड बचे हैं, जिसके बाद इस सीजन का अल्टीमेट विनर मिल जाएगा. 'ओल्ड वर्सेज न्यू कंटेस्टेंट' थीम वाले इस सीजन के टॉप-5 फाइनलिस्ट में फरहाना भट्ट भी शामिल हैं. वहीं, उनके अलावा अविनाश मिश्रा, करण वाही, ऋत्विक् धनजानी, ओरी और रुबीना दिलैक ने अपनी जगह बनाई है. इस पूरे सीजन में अपने फियरलेस अंदाज के लिए फरहाना भट्ट छाई रही हैं. वो हर खतरनाक स्टंट को बिना डरे पूरा करती दिखीं. लेकिन अब ग्रैंड फिनाले से ठीक पहले 'शेरनी' के नाम से पॉपुलर फरहाना इमोशनल होती नजर आईं.

‘खतरों के खिलाड़ी 15’ के नए प्रोमो की फिनाले से पहले ही झलक दिखाई गई है. ग्रैंड फिनाले के बेहद मुश्किल और प्रेशर वाले माहौल में फरहाना काफी इमोशनल हो गईं. पूरे सीजन में अपनी इस जर्नी को याद करते हुए फरहाना ने आंसू बहाए. जहां रोहित शेट्टी ने एक्ट्रेस को गले लगाया और संभाला.

ग्रैंड फिनाले से पहले फरहाना हुई इमोशनल

दरअसल जारी किए गए नए प्रोमो में होस्ट रोहित शेट्टी फरहाना से सवाल करते हैं. वो कहते हैं- ग्रैंड फिनाले और टॉप-5 में पहुंचकर उन्हें कैसा लग रहा है? सवाल सुनते ही फरहाना अपने आंसू नहीं रोक पाईं. आंसू पोंछते हुए फरहाना ने कहा, सच में मुझे लगा नहीं था कि मैं टॉप-5 तक आऊंगी. मेरे लिए यह अपने आप में ही बहुत बड़ी बात है. इस शो ने मुझे बहुत सारा एप्रिसिएशन और रिसपेक्ट दी है. जो मुझे इससे पहले कभी नहीं मिला. फरहाना को इस तरह इमोशनल देखकर पास बैठे साथी खिलाड़ी शगुन और ऋत्विक् धनजानी भी काफी इमोशनल हो गए थे.

दरअसल रोहित शेट्टी अपने हर कंटेस्टेंट का हौसला बढ़ाते हुए नजर आते हैं. इस सीजन में भी उन्होंने ऐसा ही कुछ किया. जहां फरहाना भट्ट को भी हर टास्क से पहले हिम्मत दी और स्ट्रेटजी बताईं.

वहीं, ग्रैंड फिनाले से पहले जब वो इमोशनल हो गईं, तो रोहित शेट्टी ने आगे बढ़कर फरहाना को प्यार से गले लगाया. अब देखना होगा कि फिनाले के इस कड़े मुकाबले में फरहाना भट्ट ट्रॉफी जीत पाती है या नहीं.

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे से प्रसिद्ध कृष्णा बाहर, अनशुल कांबोज को मिला मौका

एजेंसी नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के भारत दौरे के बीच भारतीय टीम में दो अहम बदलाव किए गए हैं। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा बाएं पैर की हैमरिस्ट्रंग में चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में नहीं खेल पाएंगे। उन्हें गुवाहटी में खेले गए दूसरे वनडे के दौरान चोट लगी थी। चयन समिति ने प्रसिद्ध कृष्णा की जगह अनशुल कांबोज को वनडे टीम में शामिल किया है। कांबोज चंडीगढ़ में टीम के साथ जुड़ेंगे। तीसरे वनडे के लिए भारत की टीम में कप्तान शुभमन गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, नितिश कुमार रेड्डी, खींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, गुन्रं बराड़, मोहम्मद सिराज, ओकिब नबी, यशस्वी जायसवाल, नमन धीर और अनशुल कांबोज होंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी-20 सीरीज से वॉशिंगटन सुंदर को बाहर कर दिया गया है। टीम प्रबंधन और चयन समिति ने यह फैसला न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी को ध्यान में रखते हुए लिया है। 11 अक्टूबर से रणजी ट्रॉफी का नया सत्र शुरू होना है। ऐसे में वॉशिंगटन सुंदर अपनी राज्य टीम के लिए लाल गेंद से क्रिकेट खेलकर टेस्ट सीरीज की तैयारी कर सकेंगे।

मुरादाबाद मंडल के 10 मुक्केबाज प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर पुरुष बॉक्सिंग प्रतियोगिता में दम दिखाएंगे

मुरादाबाद। झांसी में होने वाली प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर पुरुष बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद मंडल की टीम का चयन कर लिया गया है। नेताजी सुभाषचंद बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम मुरादाबाद में आयोजित चयन ट्रायल में प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न भार वर्गों में 10 खिलाड़ियों को चयनित किया गया। चयनित मुक्केबाज तीन से छह अक्टूबर तक झांसी में होने वाली राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में मंडल का प्रतिनिधित्व करेंगे। ट्रायल में चयनित खिलाड़ियों में 47-50 किग्रा भार वर्ग में विनित, 50-55 किग्रा में उदयवीर, 55-60 किग्रा में सक्षम क्षेत्री, 60-65 किग्रा में कोशल, 65-70 किग्रा में अलीशान अल्वी, 70-75 किग्रा में दानिश आमिर, 75-80 किग्रा में अभिजीत चौधरी, 80-85 किग्रा में शहनवाज, 85-90 किग्रा में श्याम मोहन का चयन हुआ है। 90 किग्रा से अधिक भारवर्ग में रवि कुमार शामिल हैं। वहीं टीम मैनेजर की जिम्मेदारी मोहम्मद जुनैद को सौंपी गई है। प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर पुरुष बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन क्षेत्रीय खेल कार्यालय झांसी की ओर से किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न मंडलों की टीमों हिस्सा लेंगी।

एशियाई खेल : भारत ने 12वें दिन जीते 5 पदक, कुल 65 पदकों के साथ आठवें स्थान पर

नागोया। एशियाई खेल-2026 में भारत के पदक अभियान के लिए गुरुवार का दिन शानदार रहा। भारत ने आज दो रजत और तीन कांस्य समेत 5 पदक जीता। इसके साथ भारत कुल 65 पदकों के साथ तालिका में आठवें स्थान पर बना हुआ है। भारत के खाते में अब 10 स्वर्ण, 23 रजत और 32 कांस्य पदक हैं। भारत के लिए दिन का पहला पदक महिला स्क्वैश टीम ने जीता। अनाहत सिंह, तन्वी खन्ना और जोशना चिनप्पा की टीम को सेमीफाइनल में हांगकांग से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे उसे कांस्य पदक मिला। पुरुष स्क्वैश टीम ने भी सेमीफाइनल में मलेशिया के खिलाफ 1-2 की हार के बाद कांस्य पदक अपने नाम किया। पुरुष टीम में अभय सिंह, वेलावन सैथिलकुमार और वीर चोटरानी शामिल थे। नौकायन में पुरुष स्किफ स्पर्धा में प्राइस नोबल और मनु फ्रांसिस ने रजत पदक जीता। दोनों चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहे। तीरंदाजी में गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु ने पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया।

एशियाई खेल 2026: भारतीय पुरुष स्क्वैश टीम ने जीता कांस्य पदक

नागोया। भारतीय पुरुष स्क्वैश टीम को एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में मलेशिया के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे टीम को कांस्य पदक से तोषण करना पड़ा। वहीं, भारतीय महिला टीम भी सेमीफाइनल में हांगकांग से 1-2 से हारकर कांस्य पदक ही जीत सकी। पुरुष वर्ग में भारत की ओर से अभय सिंह ने मलेशिया के ईन यो के खिलाफ पहला मुकाबला खेला। भारत को फाइनल में पहुंचकर हांगझोउ एशियाई खेलों में जीते स्वर्ण पदक का बचाव करने की उम्मीद थी, लेकिन 28 वर्षीय अभय को 0-3 (8-11, 8-11, 8-11) से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद वीर चोटरानी ने संजय जीव के खिलाफ 3-0 (11-4, 11-8, 11-5) की शानदार जीत दर्ज कर भारत की वापसी कराई और मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया।

आईसीसी के नए नियम लागू, समय बर्बाद करने पर बल्लेबाजों को लगेंगे 5 रन का जुर्माना

एजेंसी दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक अक्टूबर से कई अहम नियम बदलाव लागू हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुष और महिला क्रिकेट के लिए प्लेइंग कडिशन में बदलाव किए हैं। नए नियमों का उद्देश्य खेल की गति बेहतर करने के साथ कुछ नियमों को ज्यादा स्पष्ट और एकरूप बनाना है। हालांकि, जो अंतरराष्ट्रीय सीरीज पहले से चल रही हैं, उनमें पुराने नियम ही लागू रहेंगे। नए नियमों में सबसे अहम बदलाव बल्लेबाजों के समय बर्बाद करने से जुड़ा है। अगर बल्लेबाज निर्धारित समय के भीतर अगली गेंद खेलने के लिए तैयार नहीं होता है तो पहली बार उसे चेतावनी दी जाएगी। दूसरी बार अंतिम चेतावनी

आईसीसी ने जारी किया विश्व कप 2027 का कार्यक्रम, 02 अक्टूबर से होगी शुरुआत

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 पुरुष क्रिकेट विश्व कप का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में होने वाला टूर्नामेंट 02 अक्टूबर से शुरू होगा और 21 नवंबर को

जोहान्सबर्ग में फाइनल के साथ समाप्त होगा। इस विश्व कप में 14 टीमें, 12 आयोजन स्थल और कुल 57 मुकाबले होंगे।

टूर्नामेंट की शुरुआत 02 अक्टूबर को विंडहोक में तीन टीमों की सुपर सीरीज से होगी। इसके बाद 07 अक्टूबर से मुख्य ग्रुप चरण शुरू होगा। भारत अपने

एशियन खेल 2026 : कुश्ती में भारत को झटके

प्रियंका, रजत और दीपांशी को मिली हार इतिहास

महिला 76 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में प्रिया मलिक को किर्गिस्तान की ऐपेरी मेदेत किजी ने 6-1 से हराया।

एजेंसी आइची-नागोया। एशियाई खेलों में कुश्ती के मुकाबलों में भारतीय पहलवानों के लिए शुक्रवार की सुबह निराशाजनक रही। महिला 76 किग्रा वर्ग में प्रिया मलिक, पुरुष प्रीस्टाइल 125 किग्रा में रजत रहाल और महिला 50 किग्रा में दीपांशी को अपने-अपने शुरुआती मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। महिला 76 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में प्रिया मलिक को किर्गिस्तान की ऐपेरी मेदेत किजी ने 6-1 से हराया। भारतीय पहलवान पूरे मुकाबले में बढ़त बनाने में सफल नहीं हो सकीं और उन्हें पहले ही दौर में हारकर बाहर होना पड़ा। पुरुष प्रीस्टाइल 125 किग्रा के राउंड ऑफ



वापसी करते हुए कजाक पहलवान के पैर पर हमला किया और टेकडाउन से दो अंक हासिल कर 2-1 की बढ़त बनाई। कासिमबेक को भी निष्क्रियता की चेतावनी मिली। इसके बाद रजत ने अच्छी रक्षात्मक कुश्ती करते हुए एक और

एशियन खेल 2026 : भारतीय महिला रिकर्व टीम ने रचा इतिहास

दक्षिण कोरिया को हराकर जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ओकाजाकी। भारतीय महिला रिकर्व टीम ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 में इतिहास रच दिया। कीर्ति, अंकिता भक्त और कुमकुम मोहद की भारतीय तिकड़ी ने फाइनल में 10 बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर महिला रिकर्व टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। यह इस स्पर्धा में एशियाई खेलों का भारत का पहला

देहरादून वॉरियर्स बनी यूपीएल-2026 चैंपियन हरिद्वार इल्मास को 36 रन से हराया

एजेंसी देहरादून। देहरादून वॉरियर्स ने उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) के तीसरे सत्र का खिताब अपने नाम कर लिया। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल में देहरादून ने हरिद्वार इल्मास को 36 रन से हराया। कप्तान कुणाल चंदेला की 90 रन की कप्तानी पारी और आदित्य रावत की चार विकेट की शानदार गेंदबाजी जीत की प्रमुख वजह रही। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी देहरादून की टीम ने 22 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कुणाल चंदेला ने पारी को संभाला और आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 51 गेंदों पर आठ चौकों और चार छक्कों की मदद से 90 रन बनाए। मोहम्मद उजैर मलिक ने 46 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों के साथ 64



तक पहुंचाया। 198 रन के लक्ष्य का पीछ करने उतरी हरिद्वार इल्मास की शुरुआत बेहद खराब रही। पहली ही ओवर में विकेट गंवाने के बाद टीम लगातार दबाव में रही और 68 रन तक उसके पांच बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। देहरादून के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर हरिद्वार को लक्ष्य की



ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 55-51 से जीत दर्ज की। दक्षिण कोरिया की ओर से युनजी ने 8 और 8, चेयोंग ने 10 और 8 तथा येजिन ने 9 और 8 अंक बनाए। भारत के लिए कीर्ति ने 10 और 8, अंकिता भक्त ने 9 और 9 तथा

कुमकुम ने 9 और 10 अंक जुटाए। इस जीत के साथ भारत ने 4-2 की बढ़त हासिल कर ली। निर्णायक सेट में दक्षिण कोरिया ने 54 अंक बनाए। भारत की ओर से कीर्ति ने 8 और 9, अंकिता भक्त ने 8 और 9 तथा कुमकुम ने 9 और 10 अंक हासिल किए। शुरुआत में कीर्ति के पहले तीर को 8 अंक दिया गया था, लेकिन जांच के बाद उसे 9 अंक माना गया। इससे भारत का स्कोर

ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 55-51 से जीत दर्ज की। दक्षिण कोरिया की ओर से युनजी ने 8 और 8, चेयोंग ने 10 और 8 तथा येजिन ने 9 और 8 अंक बनाए। भारत के लिए कीर्ति ने 10 और 8, अंकिता भक्त ने 9 और 9 तथा

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में ईडन कार्सन, मौली पेनफोल्ड की वापसी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में ईडन कार्सन, मौली पेनफोल्ड की वापसी

एजेंसी वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड ने इस महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। ईडन कार्सन, मौली पेनफोल्ड, हन्ना रो और बेला जेम्स की टीम में वापसी हुई है। चारों खिलाड़ी उस विस्तृत समूह का हिस्सा थीं, जिन्हें हाल में हुए टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी। ऑफ स्पिनर ईडन कार्सन कोहनी की सर्जरी से उबरने के बाद वापसी कर रही हैं। वह पिछले साल दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर थीं। 51 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी कार्सन न्यूजीलैंड के स्पिन विभाग को मजबूती देंगी, जिसमें कप्तान अमेलिया केर, नैसी पटेल और फ्लोरा डेवोनशायर भी शामिल हैं। कार्सन ने कहा, व्हाइट फर्नुस के माहौल में वापस आना मेरे लिए बेहद खास है। पुनर्वास की प्रक्रिया में काफी धैर्य रखना पड़ा, लेकिन मुझे अपने आसपास बेहतरीन समर्थन मिला और अब मैं मैदान पर लौटकर योगदान देने के लिए तैयार महसूस कर रही हूं।



में ऑस्ट्रेलिया की केएफसी टी20 मैक्स प्रतियोगिता में सैंडगेट रेडक्लिफ गैटर्स के लिए खेला था। विकेटकीपर-बल्लेबाज इजी गेज लगातार बनी हुई अंगुठे की चोट की सर्जरी के बाद टीम से बाहर हैं। वह 2027 की शुरुआत में क्रिकेट में वापसी का लक्ष्य लेकर चल रही हैं। उनकी अनुपस्थिति में पॉली इंग्लिस विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगी। करीब चार वर्षों तक

खिलाफ होगा। इस बार विश्व कप का प्रारूप पहले से अलग होगा।

12 टीमों को छह-छह के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष तीन टीमों और दोनों ग्रुप में शीर्ष स्थान पर रहने वाली टीमों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम सुपर-7 चरण में पहुंचेगी। इस चरण में सातों टीमें एक-दूसरे से

देश को स्वर्ण दिलाने वाले खिलाड़ियों को अब साई केंद्र में मिलेगी ‘सोना बाथ’ सुविधा

एजेंसी धर्मशाला। देश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की तैयारियों का प्रमुख केंद्र बने भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) धर्मशाला में अब खिलाड़ियों को सोना बाथ की सुविधा मिलने की उम्मीद जगी है। एशियन गेम्स में भारतीय महिला कबड्डी टीम को स्वर्ण पदक दिलाने वाली टीम की कप्तान सहित धर्मशाला केंद्र के तीन खिलाड़ियों के एक साथ पदक जीतने के बाद केंद्र ने यह सुविधा शुरू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए साई चंडीगढ़ से पत्राचार किया जा रहा है। एनसीओई धर्मशाला में लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। यहां से तैयार खिलाड़ी देश और विदेश में आयोजित बड़ी प्रतियोगिताओं

में पदक जीतकर केंद्र का नाम रोशन कर रहे हैं। बावजूद इसके विशिषज्ञों की प्रशिक्षण के बाद शरीर की थकान और मांसपेशियों को राहत देने के लिए इस्तेमाल होने वाली सोना बाथ सुविधा उपलब्ध नहीं थी। अब एशियन गेम्स में धर्मशाला केंद्र के खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के बाद इस कमी को दूर करने की कवायद शुरू हुई है। खेल विशेषज्ञों के अनुसार सोना बाथ खिलाड़ियों के लिए अत्यंत उपयोगी सुविधा है। इसमें गर्म पानी और भाप के माध्यम से शरीर को आराम देने, मांसपेशियों की जकड़न कम करने और कठिन प्रशिक्षण या प्रतियोगिता के बाद शरीर को पुनः तैयार करने में मदद मिलती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के प्रशिक्षण में ऐसी पुनर्वास और रिकवरी सुविधाओं की अहम भूमिका रहती है।

कुमकुम ने 9 और 10 अंक जुटाए। इस जीत के साथ भारत ने 4-2 की बढ़त हासिल कर ली। निर्णायक सेट में दक्षिण कोरिया ने 54 अंक बनाए। भारत की ओर से कीर्ति ने 8 और 9, अंकिता भक्त ने 8 और 9 तथा कुमकुम ने 9 और 10 अंक हासिल किए। शुरुआत में कीर्ति के पहले तीर को 8 अंक दिया गया था, लेकिन जांच के बाद उसे 9 अंक माना गया। इससे भारत का स्कोर

54 हो गया और सेट 54-54 से बराबर रहा। सेट बराबर रहने के साथ भारत ने मुकाबला 5-3 से अपने नाम कर लिया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ कीर्ति, अंकिता भक्त और कुमकुम मोहद ने महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में भारत को एशियाई खेलों का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। यह एशियन खेल 2026 में भारत का 11वां स्वर्ण पदक है।

बैडमिंटन में बांदा के अर्श मोहम्मद ने भारत में मेन्स डबल्स की टॉप रैंकिंग की हासिल इतिहास

एजेंसी बांदा। प्रतिभा, मेहनत और लगन के दम पर उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड की धरती के लाल अर्श मोहम्मद ने बैडमिंटन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर पूरे बांदा जनपद को गौरवान्वित किया है। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ताजा रैंकिंग में अर्श मोहम्मद ने मेन्स डबल्स वर्ग में 1037 रैंकिंग अंकों के साथ भारत में शीर्ष स्थान हासिल किया है। अभी हाल में ही सम्पन्न सीनियर योनेक्स सनराइज ड्रा. अखिलेश दास गुप्ता मेमोरियल आल इंडिया चैम्पियनशिप लखनऊ में युगल स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी अर्श मोहम्मद ने हासिल किया था। उनकी इस उपलब्धि से खेल जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है और पूरे बुंदेलखंड के खेलप्रेमियों में उत्साह का माहौल है। बांदा शहर के बलखंडी नाका में फैशन टेलर्स के नाम से दुकान संचालित करने वाले अशफाक अहमद के पुत्र अर्श मोहम्मद ने अपनी मेहनत, निरंतर अभ्यास और उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी

की प्रतिभाएं भी अपने परिश्रम और समर्पण से राष्ट्रीय खेल जगत में अपनी मजबूत पहचान बना सकती हैं। अर्श की इस ऐतिहासिक सफलता पर जिला ओलंपिक एसोसिएशन बांदा के अध्यक्ष रामेंद्र शर्मा, महासचिव डॉ. इन्दवीर सिंह, जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव काजी जमीर, जिला ओलंपिक एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी सुनील सक्सेना, स्टेडियम बैडमिंटन कोच भानु प्रताप, हार्पर क्लब के बैडमिंटन कोच अनवर

कुशवाहा, सचिव कमल यादव, कमेंटेटर महेश गर्ग तथा महेश साहिल सहित खेल जगत की अनेक हस्तियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। स्टेडियम बैडमिंटन कोच भानु प्रताप ने विश्वास जताया कि अर्श मोहम्मद अपनी इस उपलब्धि को आगे बढ़ाते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि अर्श की सफलता बांदा और बुंदेलखंड के उपरते हुए खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।



कुशवाहा, सचिव कमल यादव, कमेंटेटर महेश गर्ग तथा महेश साहिल सहित खेल जगत की अनेक हस्तियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। स्टेडियम बैडमिंटन कोच भानु प्रताप ने विश्वास जताया कि अर्श मोहम्मद अपनी इस उपलब्धि को आगे बढ़ाते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि अर्श की सफलता बांदा और बुंदेलखंड के उपरते हुए खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी कोच रहें डीन ब्राउनली को बेन सॉयर के जाने के बाद अंतिम मुख्य कोच बनाया गया है। दौरे के लिए अतिरिक्त कोचिंग सहयोग की घोषणा अगले सप्ताह किए जाने की उम्मीद है। ब्राउनली ने टीम में चारों खिलाड़ियों की वापसी का स्वागत करते हुए कहा कि टीम में अनुभव और भविष्य को ध्यान में रखने का संतुलन है। ब्राउनली ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के हवाले से कहा, हम ईडन, हन्ना, मौली और बेला का फिर से स्वागत करते हुए उत्साहित हैं। इस टीम में अनुभव और भविष्य को ध्यान में रखने का अच्छा संतुलन है और यह समूह के लिए एक मजबूत टीम के खिलाफ खुद को परखने का अवसर होगा। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन इससे सीखने और अपनी क्षमताओं को मजबूत करने के कई अवसर भी मिलते हैं। यह सीरीज न्यूजीलैंड के 2026-27 सत्र का पहला अंतरराष्ट्रीय अभियान होगा। साथ ही यह भारत में होने वाली पहली आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 की तैयारियों का भी हिस्सा होगी।

जाएगा। दोनों सेमीफाइनल के लिए रिजर्व डे रखा गया है। फाइनल 21 नवंबर को जोहान्सबर्ग में होगा। जरूरत पड़ने पर 22 नवंबर रिजर्व डे के रूप में निर्धारित है। विश्व कप के मुकाबले दक्षिण अफ्रीका के आठ, जिम्बाब्वे के तीन और नामीबिया के एक स्थल पर खेले जाएंगे।

